International Journal of Geology, Agriculture and Environmental Sciences
Volume – 9 Issue – 1 January-June 2021 (Special Issue)
Website: www.woarjournals.org/IJGAES *ISSN: 2348-0254*

माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थय की संतुष्टि में शिक्षक की प्रभावशीलता का अध्ययन

अनिल कुमार ढुकीया[1], डॉ. ममता शर्मा[2]

[1]शोधार्थी [2]प्रोफेसर

शोध सारांश

शिक्षा को सामाजिक संपत्ति के संचय और सामाजिक पूंजी के निर्माण के लिए सबसे महत्वपूर्ण साधन माना जाता है। शिक्षा राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। शिक्षा अपने व्यापक अर्थों में एक आजीवन प्रक्रिया है और जीवन में प्राप्त प्रत्येक अनुभव के साथ ज्ञान का संचय होता रहता है। शिक्षा में वह सब कुछ शामिल है जिसका जीवन में रचनात्मक प्रभाव पड़ता है। शिक्षा केवल शिक्षक द्वारा सूचना का संचार नहीं है, इसमें वे सभी अनुभव शामिल हैं जो व्यक्ति को जन्म से मृत्यु तक प्रभावित करते हैं। शिक्षक राष्ट्र के भविष्य को आकार देने के लिए जिम्मेदार हैं। भारत के पहले प्रधान मंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के अनुसार ष्राष्ट्र के भविष्य को कक्षाओं में आकार दिया जा रहा हैष्। शिक्षक को किसी भी शिक्षा प्रणाली की रीढ़ माना जाता है। एक समर्पित शिक्षक कक्षा को पढ़ाने के बाद हमेशा संतुष्ट महसूस करता है क्योंकि वह जानता है कि वह राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहा है। उद्देश्य के वांछित सेट को प्राप्त करने में बच्चे की मदद करने के लिए, एक शिक्षक को अपने शिक्षण को अधिक रोचक और प्रभावी बनाना होगा। एक अच्छा और कुशल शिक्षक शैक्षिक प्रक्रिया में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। आज की अत्यधिक परिष्कृत और विशिष्ट प्रणाली में, बच्चों को समृद्धि और उन्नति के पथ पर मदद करने के लिए प्रभावी शिक्षकों की एक अद्वितीय मांग है।शब्द षशिक्षक प्रभावशीलताष की विशेषताओं, दक्षताओं और व्यवहार का एकीकरण, ताकि छात्रों को

वांछित परिणामों तक पहुंचने में सक्षम बनाया जा सके जिसमें विशिष्ट सीखने के उद्देश्यों की प्राप्ति के साथ-साथ व्यापक लक्ष्य भी शामिल हो सकते हैं जैसे कि समस्याओं को हल करने, गंभीर रूप से सोचने, सहयोगात्मक रूप से काम करने और प्रभावी नागरिक बनने में सक्षम होने के नाते। उद्देश्य के वांछित सेट को प्राप्त करने में बच्चे की मदद करने के लिए, एक शिक्षक को अपने शिक्षण को अधिक रोचक और प्रभावी बनाना होगा। शिक्षक दक्षता का अर्थ है शिक्षक की ओर से पूर्णता और उत्पादकता। यह शिक्षक के जीवनकाल में परिपक्वता और सीखने के स्तर को संदर्भित करता है। शिक्षक दक्षता शिक्षक विशेषताओं के बीच संबंध से संबंधित है; शिक्षण कार्य और शैक्षिक परिणामों पर उनका प्रभाव। शिक्षक को प्रभावी बनाने वाली विभिन्न विशेषताओं में उत्साह, जोखिम लेने की तत्परता, व्यावहारिकता, दृढ़ता, लोच कल्पना, वास्तविकता, सीखने का प्यार, जीवंतता और हास्य की भावना शामिल हैं।

डंकिन ¼1997) ने माना कि "शिक्षक प्रभावशीलता उस डिग्री का माप है जिस तक एक शिक्षक छात्रों पर वांछित प्रभाव प्राप्त करता है।" उन्होंने शिक्षक योग्यता को इस प्रकार परिभाषित किया कि "शिक्षक के पास अपेक्षित ज्ञान और कौशल की सीमा है।"

सूचना और कौशल का अधिकार शिक्षकों की दक्षता के अंतर्गत आता है और इस जानकारी और कौशल का उपयोग शिक्षण के दायरे में आता है। जब शिक्षक की क्षमता और प्रदर्शन को शिक्षक के उददेश्यों के साथ जोड़ दिया जाता है, तो उन्हें सामूहिक रूप से शिक्षक दक्षता कहा जाता है।

वैचारिक ढांचा

वांछनीय सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा को एक शक्तिशाली माध्यम माना जाता है। यह एक समुदाय के भविष्य को मजबूत करने

और अंतत एक राष्ट्र के विकास की ओर अग्रसर करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 1993 में अपने फैसले में कहा है कि ''सभी नागरिकों को 14 वर्ष की आयु तक शिक्षा का मौलिक अधिकार है।'' 86वां संविधान में संशोधन संसद द्वारा ''प्राथमिक शिक्षा के अधिकार को एक मौलिक अधिकार और एक मौलिक कर्तव्य'' बनाने के लिए पारित किया गया था। शिक्षा आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला प्राथमिक वाहन है। शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक पहलू है। शिक्षा एक व्यक्ति को समाज में उसकी स्थिति स्थापित करने में मदद करती है और उसे उसके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करती है। यह एक व्यक्ति को समाज में रहने और अपने सर्वोच्च पदों का दावा करने के योग्य बनाता है। मनुष्य में बहुत सारे गुण होते हैं और शिक्षा ही एकमात्र माध्यम है जिसके द्वारा एक व्यक्ति इन गुणों को समझ सकता है और एकीकृत कर सकता है और अपने जीवन को आनंदमय बनाने के लिए अपने लाभ के लिए उनका उपयोग कर सकता है। शिक्षा किसी देश, विशेषकर स्कूली शिक्षा की उन्नति में एक अक्षीय भूमिका निभाती है। यह समाज को उसकी बेहतरी के लिए बदलने का सबसे उपयोगी साधन है लेकिन यह परिवर्तन प्रभावी, जिम्मेदार और कुशल शिक्षकों के बिना संभव नहीं है। अतः यह कहना गलत नहीं होगा कि शिक्षण शिक्षा के माध्यम से वांछित सामाजिक परिवर्तन प्राप्त करने का माध्यम है।

शिक्षक राष्ट्र के भविष्य को आकार देने के लिए जिम्मेदार हैं। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के अनुसार ''राष्ट्र के भविष्य को कक्षाओं में आकार दिया जा रहा है''। एक शिक्षक को किसी भी शिक्षा प्रणाली की रीढ़ माना जाता है, जो सही रास्ता दिखाता है, आत्मविश्वास विकसित करता है, छिपी हुई प्रतिभाओं की पहचान करता है और एक छात्र को प्रदर्शन करने के लिए एक मंच देकर हर संभव तरीके से विकसित करने में मदद करता है। एक शिक्षक किसी भी

प्रणाली का दिल और आत्मा होता है और छात्रों को ज्ञान और समझ प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होता है। वे विद्वानों की परंपरा को प्रसारित करने के लिए धुरी के रूप में कार्य करते हैं और सभ्यता के दीपक को जलाने में मदद करते हैं। निस्संदेह, वे हमारे समाज का एक अभिन्न और सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, उनका शिक्षण हमेशा बच्चों की सीखने की रणनीतियों को बढ़ाता है। अध्यापन का अर्थ केवल छात्रों को सूचना देना ही नहीं है, बल्कि उनके साथ इस तरह से जुड़ना है जिससे कौशल और रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है। आत्मा के लिए शिक्षा का महत्व मूर्तिकला से लेकर पत्थर के खंड तक है। आजकल अध्यापन ने शिक्षक के कार्य को अधिक चुनौतीपूर्ण और अत्यधिक मांग वाला बना दिया है। केवल अकादमिक पहलू की चिंता करने के बजाय आधुनिक शिक्षक की जिम्मेदारी यह देखना है कि कक्षा में जो कुछ भी हो रहा है वह बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए है। शिक्षक जीवन भर बच्चे के संपर्क में रहता है। यह अंतः क्रिया और उनकी निरंतर संगति शिक्षक को मानसिक रूप से जीवित और शारीरिक रूप से सतर्क रखती है। शिक्षण में गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होती है अर्थात शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक। अच्छे शिक्षण के लिए अच्छे शिक्षकों की आवश्यकता होती है। शिक्षण एक ऐसा पेशा है जो सभी व्यवसायों के लिए व्यक्तियों को तैयार करने की नींव रखता है। यह चिकित्सकों के व्यावसायिक गुणों और मानवीय बेहतरी के प्रति ईमानदार समर्पण की मांग करता है। शिक्षण एक शैक्षिक रूप से संचार योग्य तकनीक के मानदंड को योग्य बनाता है शिक्षक की भागीदारी के बिना कोई भी सुधार कभी सफल नहीं हुआ है। शिक्षण में व्यावसायिकता का संबंध शिक्षण के व्यवसाय से है ताकि यह एक शिल्प के बजाय एक पेशे के रूप में तेजी से बन सके और इसे एक व्यवसाय के रूप में जाना जा सके; इसमें सैद्धांतिक अध्ययन और ज्ञान के साथ-साथ शैक्षणिक तकनीकों की व्यावहारिक महारत के परिणामस्वरूप विशिष्ट विशेषज्ञता और उच्च क्षमता भी शामिल है।

शिक्षक प्रभावशीलता के इस विवरण में चार मुख्य धारणाएँ हैं:

1. ***प्रभावी शिक्षक हमेशा अपने लक्ष्यों से अवगत होते हैं और वे सक्रिय रूप से इन लक्ष्यों का पीछा करते हैं।*** *ये लक्ष्य शिक्षकों को सर्वोत्तम संभव परिणामों के लिए कक्षा में की जाने वाली कार्रवाई की योजना बनाने में मदद करते हैं। शिक्षकों द्वारा निर्धारित लक्ष्य व्यक्तिगत या बाहरी रूप से थोपे जा सकते हैं ¼कभी-कभी पाठ्यक्रम मानक और कभी-कभी सामग्री मानक)।*
2. ***शिक्षण एक जानबूझकर किया गया कार्य है।*** *ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि शिक्षण हमेशा सीखने की सुविधा के लिए किया जाता है। शिक्षण न केवल जानबूझकर किया जाता है, बल्कि तर्कपूर्ण भी होता है क्योंकि शिक्षकों द्वारा जो कुछ भी पढ़ाया जाता है, उसका मूल्यांकन छात्रों द्वारा किया जाता है कि यह सार्थक है या नहीं।*
3. ***शिक्षण लक्ष्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों से संबंधित हैं।*** *शिक्षक सीधे तौर पर चिंतित होते हैं क्योंकि वे बच्चे को सही और गलत, वास्तविकता और कल्पना, तथ्य और कल्पना के बीच के अंतर को समझने में मदद करते हैं। शिक्षक अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित हैं क्योंकि वे बच्चे के समस्याग्रस्त व्यवहार के कारण का निदान करने में मदद करते हैं और उपचारात्मक शिक्षण देते हैं।*
4. ***शिक्षक अपने पेशे के हर पहलू में कुशल नहीं हैं।*** *एक प्राथमिक विघालय का शिक्षक छात्रों का मजबूत आधार बनाने में खराब हो सकता है लेकिन उच्च स्तर पर अवधारणाओं को स्पष्ट करने में न्याय करने में सक्षम नहीं हो सकता है। इसी तरह पढ़ाने वाला शिक्षक माध्यमिक स्तर पर कठिन अवधारणाओं को आसानी से स्पष्ट करने में सक्षम हो सकता है लेकिन छात्रों को यह समझना मुश्किल हो सकता है कि उन्हें गणित या सामाजिक अध्ययन जैसे विषय को पहले स्थान पर क्यों सीखना है।*

शिक्षक प्रभावशीलता अनुसंधान ने सीखने के परिणामों को मापने पर ध्यान केंद्रित किया है, हाल के अध्ययनों ने शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित कई कारकों की पहचान की है जो समय, निर्देश, पर्यावरण, प्रबंधन और निदान हैं। किसी भी शिक्षा प्रणाली में शिक्षक का महत्वपूर्ण स्थान होता है। स्कूल स्तर पर भिन्नता को दूर करने के लिए एक शिक्षक कोः रखना चाहिए

1. सकारात्मक दृष्टिकोण।
2. कक्षा में सुखद वातावरण का विकास करना।
3. छात्रों से उच्च उम्मीदें रखें।
4. विषय स्पष्टता।
5. अच्छा प्रबंधन कौशल।
6. शिक्षण पद्धति।
7. छात्रों के विचारों का प्रयोग करें और उन्हें शामिल करें।
8. उचित पूछताछ का प्रयोग करें।

हालाँकि, कुशल शिक्षण विधियाँ परिप्रेक्ष्य विशिष्ट हैं और विभिन्न कारकों के आधार पर भिन्न हो सकती हैं जैसेः

1. पाठ गतिविधि का प्रकार।
2. विषय के बारे में जागः कता।
3. विभाग, स्कूल और प्रबंधन की संस्कृति।
4. छात्र का व्यक्तित्व, सीखने की शैली और प्रेरणा।

शिक्षण हमेशा एक ''गतिशील'' गतिविधि होती है। यह शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित प्रत्येक व्यक्ति के लिए सूचना, अनुभव, रचनात्मकता और आलोचनात्मक प्रशंसा की दुनिया खोलता है। प्रभावी शिक्षण के लिए कुछ बिंदु इस प्रकार हैं:

1. आपके द्वारा प्रस्तुत सामग्री को उपलब्ध समय के भीतर फिट करें।
2. सामग्री को प्रस्तुत करने और चित्रित करने के तरीकों की तलाश करें
3. अवधारणा और तकनीकी शब्दों को सरलतम तरीके से व्यक्त करें।
4. सकारात्मक अपेक्षा व्यक्त करें और शिक्षा के उद्देश्यों के अनुसार तय किए गए उद्देश्यों को साझा करें।
5. प्रस्तुतीकरण के विभिन्न तरीकों से व्याख्यानों की नीरसता को तोड़ें।
6. आवाज में बदलाव और शारीरिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करें, लेकिन एक आकर्षक शैली विकसित करके स्वयं बनें जो आपके व्यक्तित्व के साथ मेल खाती हो।
7. छात्रों को अपनी सांस पकड़ने और सवाल पूछने के लिए रुक-रुक कर ब्रेक दें।
8. अगली बैठक के दौरान जो कुछ भी शामिल किया जाएगा, उसके साथ जो कुछ हुआ है, उसका पुनर्पूंजीकरण करें।

कक्षा में एक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाएं ताकि छात्र अपने मन की बात खुलकर कह सकें और फिर अपने दृष्टिकोण को तदनुसार संशोधित कर सकें।

अनुसंधान डिजाइन और पद्धति

एक शोध डिजाइन तैयार करना समस्या चयन के बाद अनुसंधान में तीसरा चरण है। यह एक नमूना आधारित मानचित्रण रणनीति है। अनुसंधान डिजाइन एक परियोजना शुरू होने से पहले का काम है। वास्तव में, अनुसंधान डिजाइन एक कार्य योजना है। क्या, कब, कितना और किस माध्यम से एक जांच या शोध

अध्ययन किया जाएगा, इसके बारे में निर्णय। वास्तव में, शोध डिजाइन अनुसंधान के लिए एक वैचारिक संरचना है; यह डेटा संग्रह, माप और विश्लेषण के लिए ब्लू प्रिंट है। अनुसंधान डिजाइन आवश्यक है क्योंकि यह विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के सुगम नेविगेशन की सुविधा प्रदान करता है, अनुसंधान को यथासंभव कुशल बनाता है और न्यूनतम प्रयास, समय और धन के साथ अधिकतम जानकारी प्रदान करता है।

किसी भी शैक्षिक या वैज्ञानिक समस्या को व्यवस्थित डेटा संग्रह द्वारा ही हल किया जा सकता है, यह शोध प्रक्रिया का एक अनिवार्य हिस्सा है ताकि अनुमानों और परिकल्पना को वैध के रूप में सत्यापित किया जा सके, सही के रूप में सत्यापित किया जा सके या अस्थिर के रूप में खारिज कर दिया जा सके। किसी भी समस्या के लिए आवश्यक डेटा एकत्र करने के लिए, अन्वेषक को संबंधित जनसंख्या का नमूना लेना चाहिए, क्योंकि पूरी आबादी से डेटा एकत्र नहीं किया जा सकता है। यह अध्याय उन जांच पद्धति का वर्णन करता है जो उद्देश्यों, परिकल्पना, डेटा स्रोत, नमूना और नमूने से संबंधित हैं, साथ ही डेटा एकत्र करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों और डेटा का विश्लेषण करने के लिए उपयोग की जाने वाली विधियों का विस्तृत विवरण है।

डेटा विश्लेषण और व्याख्या

कच्चे अंकों का उनकी व्याख्या और सामान्यीकरण के बिना कोई मूल्य नहीं है। अध्ययन के लिए प्रयुक्त उपकरणों के माध्यम से एकत्रित मूल तथ्यों या सामग्री की व्याख्या किए बिना अन्वेषक अपने उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर सकता है। सामान्यीकरण और व्याख्या निष्कर्ष और सुझाव की ओर ले जाती है। अतः प्रस्तुत अध्याय का उद्देश्य विभिन्न उपकरणों द्वारा एकत्रित आँकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या करना है।

जांच की प्रक्रिया में मूल या नई धारणा के समर्थन या विरोधाभास के संबंध या मतभेदों को महत्व के सांख्यिकीय परीक्षणों के अधीन किया जाना चाहिए ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि किसी निष्कर्ष को इंगित करने के लिए किस वैधता डेटा के अधीन हो सकता है। सांख्यिकीय विश्लेषण अनुसंधान उद्देश्यों, अध्ययन के तहत चर और शून्य परिकल्पना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। आंकड़ों का विश्लेषण निम्न प्रकार से किया गया है।

- माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित डेटा का विश्लेषण और प्रस्तुति।
- माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण और प्रस्तुतिकरण।
- माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि से संबंधित आँकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतीकरण।
- निम्न मानसिक स्वास्थ्य और उच्च मानसिक स्वास्थ्य वाले माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता डेटा का विश्लेषण और प्रस्तुति।
- निम्न कार्य संतुष्टि और उच्च कार्य संतुष्टि वाले माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विश्लेषण और प्रस्तुति।

उपरोक्त बिन्दुओं के शिक्षक प्रभावशीलता आँकड़ों का विश्लेषण निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है।

माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित डेटा का विश्लेषण और प्रस्तुति।

"माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित डेटा को निम्न अनुभागों के तहत प्रस्तुत किया गया है।

- माध्यमिक विघालयों के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- पुरुष शासकीय एवं महिला शासकीय माध्यमिक विघालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित आँकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- पुरुष निजी और महिला निजी माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित डेटा का विश्लेषण और प्रस्तुति।
- सरकारी एवं निजी माध्यमिक विघालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- पुरुष सरकारी एवं पुरुष निजी माध्यमिक विघालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- महिला सरकारी और महिला निजी माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित डेटा का विश्लेषण और प्रस्तुति।

माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित डेटा का विश्लेषण और प्रस्तुति।

माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित डेटा को निम्न अनुभागों के तहत प्रस्तुत किया गया है।

- माध्यमिक विघालयों के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- शासकीय पुरुष एवं महिला शासकीय माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- पुरुष निजी और महिला निजी माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित डेटा का विश्लेषण और प्रस्तुतिकरण।

- सरकारी एवं निजी माध्यमिक विघालयों के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- पुरुष शासकीय एवं पुरुष निजी माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- महिला सरकारी एवं निजी माध्यमिक विघालय की महिला शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।

माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि से संबंधित आँकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतीकरण।

माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की नौकरी की संतुष्टि से संबंधित डेटा निम्नलिखित वर्गों में प्रस्तुत किया गया है।

- माध्यमिक विघालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- पुरुष शासकीय एवं महिला शासकीय माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- पुरुष निजी एवं महिला निजी माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- सरकारी एवं निजी माध्यमिक विघालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- पुरुष शासकीय एवं पुरुष निजी माध्यमिक विघालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।
- महिला सरकारी एवं निजी माध्यमिक विघालय की महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण।

निम्न मानसिक स्वास्थ्य और उच्च मानसिक स्वास्थ्य वाले माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता डेटा का विश्लेषण और प्रस्तुति।

माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के निम्न एवं उच्च मानसिक स्वास्थ्य के शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित डेटा को निम्न अनुभागों में प्रस्तुत किया गया है।

- *निम्न मानसिक स्वास्थ्य और उच्च मानसिक स्वास्थ्य वाले माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विश्लेषण।*
- *निम्न मानसिक स्वास्थ्य और उच्च मानसिक स्वास्थ्य वाले पुरुष माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विश्लेषण।*
- *निम्न मानसिक स्वास्थ्य और उच्च मानसिक स्वास्थ्य वाली महिला माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विश्लेषण।*
- *नम्न मानसिक स्वास्थ्य और उच्च मानसिक स्वास्थ्य वाले सरकारी माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विश्लेषण।*
- *निम्न मानसिक स्वास्थ्य और उच्च मानसिक स्वास्थ्य वाले निजी माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का विश्लेषण*

निम्न कार्य संतुष्टि और उच्च कार्य संतुष्टि वाले माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता डेटा का विश्लेषण और प्रस्तुति।

माध्यमिक विघालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित डेटा को निम्न अनुभागों में प्रस्तुत किया गया है।

- *निम्न कार्य संतुष्टि और उच्च कार्य संतुष्टि वाले माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता डेटा का विश्लेषण।*
- *निम्न कार्य संतुष्टि और उच्च कार्य संतुष्टि वाले पुरुष माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता डेटा का विश्लेषण।*

- कम कार्य संतुष्टि और उच्च कार्य संतुष्टि वाली महिला माध्यमिक विघालय शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता डेटा का विश्लेषण।
- निम्न कार्य संतुष्टि और उच्च कार्य संतुष्टि वाले सरकारी माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता डेटा का विश्लेषण।
- निम्न कार्य संतुष्टि और उच्च कार्य संतुष्टि वाले निजी माध्यमिक विघालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता डेटा का विश्लेषण्ज्ञ

REFERENCES

[1] Robin (2000): Teacher Effectiveness, 9th Edition, New Jersey: Pristine Hall.

[2] N.C.F (2005): retrieved from www.ncert.nic.in>pdf>english> nf2005.

[3] Crow and Crow (1951): "Mental Hygiene, New York(US), McGraw Hill Book Company".

[4] Nelson Mandela(2013): "Long Walk to Fredoom", https://books.google.co.in/books?isbn

[5] Dunkin, Michael J. (1997): "Assessing Teacher"s Effectiveness"; Issues Faced in Educational Research; Vol.7 (1); Page No.37-51.

[6] Reiman et al (1998): "Mentoring and Supervision for Teacher Development", New York; Longman Publishers.

[7] Leigh (2006): "Estimating teacher effectiveness from two year changes in students test scores"; Economics of Education Review 29, p-480-488.

[8] WHO Expert Committee(1950): www.who.int>iris>handle

[9] Encyclopedia of Educational Research (1969): Eble , Robert L, 4th Edition. New York: Mac Millian Company, 60th Avenue.

[10] Common Wealth Department of Health and Aged Care (2000): Retrieved from www.health.govt.all.Publications.

[11] World Health Report (2001): Publisher World Health organization (Switzerland) Wikipedia>wiki>World-Health-Report.

[12] Fredrickson (2001):"The Role of Positive Emotions, In Positive Psychology: The broadening and build theory of positive emotions"; American Psychologists, 56, 218-226. 44

[13] American Heritage Dictionary (2006): English Language, Fourth Edition published by Houghton Miffin Company, America.

[14] Maslow and Mittleman (1951): "Principles of Abnormal Psychology", New York, Harper and Bros.

[15] Bhar and Dutt(1982) : "Mental Hygiene in Education": Advanced Educational Psychology, Sterling Publishers Pvt Ltd.

[16] Jahoda.M(1958): "Current Concept of positive mental health", Basic Books Inc, Publishers, New York.

[17] Shan(1998): "Organizational levels and job satisfaction". Vikalpa,NICD.

[18] Robbins(1998) : "Genius and Depression from the same well": Psychology Today, sixth edition, Fort worth, Texas: Harcourt- Brace.

[19] Sempane et al (2002): Mental Health: "Models of healthy personality", Van Nostrand Reinhold Company.

[20] Sharma et al (2006): "Job Satisfaction in office": Indian Journal of Social Works edition-19, p-39-45.